सुशासन दिवस. झारखंड भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री को किया याद, आइआइएम रांची में व्याख्यान आयोजित

देश का नेतृत्वकर्ता बनें मैनेजमेंट के छात्र : अर्जुन

संवाददाता, रांची

आदिवासी मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा है कि नौकरी और सेवा करने में अंतर है. मैनेजमेंट के विद्यार्थी खुद को केवल बिजनेस लीडर बनाने का लक्ष्य न रखें. बल्कि अपनी क्षमता पहचान कर देश का नेतृत्वकर्ता बनने का प्रयास करें. विषम परिस्थितियां बाधा बनेंगी, पर उत्तरदायित्व का निर्वाह कर पाने की क्षमता ही दूसरों से अलग बनने में मदद करेगी. श्री मुंडा शनिवार को सुशासन दिवस पर बतौर मुख्य वक्ता आइआइएम रांची में आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि प्रबंधन के विद्यार्थी सरकारी व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित कैसे बना सकते हैं और समाज को इसका लाभ कैसे मिले, इस पर काम करने की जरूरत है. शिक्षा केवल स्टेशन की भीड़ के समान न होकर देश के विकास में कारगर सिद्ध होना चाहिए.

मौके पर आइआइएम के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने संस्थान की उपलब्धियों पर चर्चा की. साथ ही अटल जी के सपनों को सार्थक करने के लिए हर संभव प्रयास करने को लक्ष्य बताया. आयोजन में प्रवीण शंकर पंड्या, अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस के आदित्य शंकर मिश्र समेत अन्य मौजूद थे.

जन-जन के विकास से ही सुशासन होगा स्थापित : विशिष्ठ वक्ता राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश ने कहा कि देश का प्रबंधन बेहतर होने पर ही जन-जन तक विकास पहुंचेगा. इससे न केवल स्वराज बल्कि सुशासन स्थापित किया जा सकेगा. पुरातन काल में जहां गौतम बुद्ध, सम्राट अशोक, चाणक्य के विचारधारा से प्रभावित होकर नीतियां तय की जाती थीं. ठीक उसी तरह अब अटल बिहारी वाजपेयी की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए आधुनिक भारत का विकास किया जा रहा है.

आधुनिक भारत में अटल जी की विचारधारा उपयोगी : सांसद संजय सेठ ने अपने संबोधन में अटल बिहारी वाजपेयी के साथ अपनी स्मृति को याद किया. उन्होंने कई उदाहरणों से उनकी व्यावहारिकता पर प्रकाश डाला और प्रबंधन के विद्यार्थियों को सीख लेने की प्रेरणा दी. कहा कि अटल जी की नजर में विकास तभी सार्थक था, जब वह निचले तबके के लोगों तक आसानी से पहुंच रहा हो.

Prabhat Khabar
26.12.2021
Pg. 04